ST. MONTFORT SCHOOL

Report on the Seminar for class III , "Safe and Unsafe Touch"

In the presence of school Principal Rev.Bro.Monachan k.k, Co-ordinator Sr.Chaitanya, The "Good Touch and Bad Touch" awareness session was organized for Class III students at St Montfort School auditorium on 20th June 2024 by the school counselor Mrs. Shraddha Balwani ma'am. This initiative aimed to educate young children about personal safety, body boundaries, and the importance of recognizing and responding to inappropriate behavior. The session sought to empower students with the knowledge and skills to protect themselves. The main objective was to educate Provide students with a clear understanding of good touch and bad touch. To Encourage open communication about personal safety concerns .The session was designed to be interactive and engaging, utilizing various teaching methods to cater to the young audience. Using age-appropriate language and visuals to explain the concepts. By sharing relatable stories to illustrate good and bad touch scenarios. She taught students the importance of saying "no" to uncomfortable touch.

Conclusion:- The "Good Touch and Bad Touch" session successfully met its objectives. Students left with a better understanding of personal safety, felt more confident in asserting their boundaries, and were encouraged to communicate with trusted adults.

Mrs. Geeta Ghodke

सेंट मोंटफोर्ट स्कूल

बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम “अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श” पर विवरण लेखन

“ईश्वर पर भरोसा, तब और भी बढ़ जाता है,

मुस्कुराते बच्चों में रूप, उसी का नजर आता है।“

हमारा समाज विकसित तो हो रहा है इसके साथ ही में मनुष्य की आपराधिक भावना भी बढ़ रही है। मानव को पिछले युग में कई बदलाव देखने को मिले है। कुछ समय पहले आपराधिक दिमाग वाले लोग समाज की वस्तुओं को निशाना बनाते थे, लेकिन हाल के वर्षों में ये छोटे बच्चों और शिशुओं को निशाना बनाने लगे हैं। बच्चों के प्रति बढ़ते अपराध का मुख्य कारण बच्चों में जागरूकता की कमी होती हैं। माता-पिता अपना कर्तव्य केवल अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, खाना-पीना, कपड़े पहनना, बड़ों का सम्मान करना और अच्छे संस्कार देने तक सीमित मानते हैं।

अतः इसी बात को ध्यान रखते हुए 20 जून, 2024 को सेंट मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल के सभागार में कक्षा तीसरी से पाँचवी तक के विद्यार्थियों के लिए **‘जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का आरंभ बच्चों के साथ छोटे-छोटे खेल गतिविधियों के साथ हुआ ताकि वे इस वातावरण में अपने आप को सामान्य कर सके। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के. के. व कोऑर्डिनेटर सिस्टर चैतन्य ने सम्मिलित होकर अपना योगदान दिया। विद्यालय की ही परामर्शदाता श्रीमती श्रद्धा बलवानी मेम ने कार्यक्रम का संचालन भार संभाला। आपने अपने शब्दों से बच्चों को इस प्रकार मंत्र मुग्ध कर दिया कि वे उनकी बातों को सुनने के लिए बड़े उत्साहित नजर आए।

इस पहल का उद्देश्य छोटे बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा, शारीरिक सीमाओं और अनुचित व्यवहार को पहचानने और प्रतिक्रिया देने के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। सत्र में छात्रों को स्वयं की सुरक्षा के लिए ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। मुख्य उद्देश्य छात्रों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श की स्पष्ट समझ प्रदान करना था। व्यक्तिगत सुरक्षा चिंताओं के बारे में खुले संचार को प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा गया। विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न शिक्षण विधियों का उपयोग करते हुए सत्र को इंटरैक्टिव और आकर्षक बनाया गया था। अवधारणाओं को समझाने के लिए आयु-उपयुक्त भाषा और दृश्यों का उपयोग किया गया। अच्छे और बुरे स्पर्श परिदृश्यों को दर्शाने के लिए संबंधित कहानियाँ साझा की गई। उन्होंने छात्रों को असुविधाजनक स्पर्श के लिए **"नहीं"** कहने का महत्व सिखाया।

निष्कर्ष:- "अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श" सत्र ने सफलतापूर्वक अपने उद्देश्यों को पूरा किया। छात्र व्यक्तिगत सुरक्षा की बेहतर समझ के साथ निकले, उन्होंने अपनी सीमाओं पर जोर देने में अधिक आत्मविश्वास महसूस किया और उन्हें विश्वसनीय वयस्कों के साथ संवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सुश्री अनिता यादव